एमएसओ

समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

द्वितीय वर्ष

एम.ए. समाजशास्त्र

जुलाई 2020 एवं जनवरी 2021 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों हेतु

ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य

एमएसओई 001	:	शिक्षा का समाजशास्त्र
एमएसओई 002	:	प्रवासी और पराराष्ट्रीय समुदाय
एमएसओई 003	:	धर्म का समाजशास्त्र
एमएसओई 004	:	नगरीय समाजशास्त्र
एमपीएस 003	:	भारत : लोकतंत्र और विकास
एमपीए 016	:	विकेंद्रीकरण एवं स्थानीय शासन

समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

पाठ्यक्रम कोड : एमएसओ
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओई-001, 002, 003, 004, एमपीएस-3, एमपीए -16/
सत्रीय कार्य/टीएमए/2020–21

सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थी,

समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (एम.ए. समाजशास्त्र) के सदंर्भ में कायर्क्रम दर्शिका में हमने बताया है कि समाजशास्त्र के प्रत्येक पाठयक्रम के लिए आपको एक ***अध्यापक*** जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) पूरा करना होगा।

इन सत्रीय कार्यों में प्रश्न पूछने का अर्थ आपकी योग्यता का पता लगाना है कि आप प्रश्न का वर्णन, विश्लेषण एवं आलोचनात्मक दृष्टि से इसे कैसे स्पष्ट करते हैं और इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि आपको विषयवस्तु की संपूर्ण जानकारी हैं और आप इस पर क्रमबद्ध एवं संसक्त ढंग से लिख सकते हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य में कुल मिलाकर दस प्रश्न हैं और यह दो भागों में विभाजित है। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न शामिल हैं।

प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में दें। अगर 10 अंक वाला लघु प्रश्न हो तो उसका उत्तर 250 शब्दों में दें। हमारा परामर्श है कि इन सत्रीय प्रश्नों को अपने सहपाठी तथा अकादमिक परामर्शदाता से चर्चा करके लिखने का प्रयास करें। जरूरी है कि आप सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें।

सत्रीय कार्य पूरा करके संबद्ध अध्ययन केंद्र के संयोजक को इसे निम्नलिखित समय–सूची के अनुसार भेज दें :

सत्रीय कार्य	जमा कराने की तारीख	किसे भेजें
जुलाई 2020 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	31 मार्च, 2021	संबद्ध अध्ययन केन्द्र का संयोजक
जनवरी 2021 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	30 सितम्बर, 2021	

जमा कराए गए सत्रीय कार्य के लिए अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य लें और इसे अपने पास रखें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्यों की प्रतिलिपि अवश्य रखें। मूल्यांकन के बाद अध्ययन केंद्र द्वारा सत्रीय कार्यों को लौटाना होगा। कृपया इसके लिए आग्रह करें। अध्ययन केंद्र को मूल्यांकन के बाद अंक, विद्यार्थी पंजीकरण एवं मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजना ज़रूरी होता है।

सत्रीय कार्य करते समय कुछ ज़रूरी बातों को ध्यान में रखना

सत्रीय कार्य करते समय निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना उपयोगी होगा :

1 **नियोजन :** सत्रीय, कार्यों को सावधानी से पढ़ें। इनसे जुड़ी इकाइयों का अध्ययन भलीभाँति करें। प्रत्येक प्रश्न से जुड़े उपयोगी बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करें और फ़िर उन्हें तार्किक दृष्टि से क्रमबद्ध करें।

2 **व्यवस्थापन :** पक्का उत्तर लिखने से पहले कच्चा कार्य करें और फिर उत्तर लिखें। प्रारंभिक और अंतिम भाग की ओर पर्याप्त ध्यान दें।

3 **प्रस्तुति :** अपने उत्तर से संतुष्ट हों तो जमा कराने के नज़रिए से पक्का उत्तर लिखें। उत्तर साफ–साफ लिखें और ज़रूरी बिदुओं को रेखांकित करें। प्रत्येक उत्तर निर्धारित सीमा में होना आवश्यक है।

शुभकामनाओं सहित!

कार्यक्रम संयोजक
एम.ए.समाजशास्त्र
समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इग्नू, मैदान गढी, नई दिल्ली–110068

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एमएसओई–001 : शिक्षा का समाजशास्त्र
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

कार्यक्रम कोड : एम.एस.ओ.
पाठ्यक्रम कोड : एमएसओई–001
सत्रीय कार्य कोड : एमएस ओई–001/सत्रीय कार्य/टीएमए/2020–21

अधिकतम अंक : 100
अधिभारिता : 30%

निम्नलिखित में से किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर अवशय दीजिए।

भाग I

1. राष्ट्रीय अस्मिता और नागरिकता के निर्माण में शिक्षा की भूमिका की आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। 20

2. शैक्षिक पाठ्यचर्या को प्रभावित करने वाले मुख्य कारकों की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए। 20

3. बुनियादी स्तर पर शिक्षा में नवाचार से सामाजिक जागरूकता, आत्मपरिवर्तन और सृजनात्मकता पैदा होती है। प्रासंगिक उदाहरणों का उल्लेख करते हुए चर्चा कीजिए। 20

4. पहुँच, प्रतिधारण और विद्यार्थियों के कार्य–निष्पादन संबंधी मुद्दों की आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। सकारात्मक पक्षपात की नीतियों के लाभार्थी कौन हैं? 20

5 शिक्षा पर टिके समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्यों का वर्णन कीजिए। 20

भाग II

6. बहुसांस्कृतिक शिक्षा क्या है? समकालीन समय में इसके महत्व की चर्चा कीजिए। 20

7. प्राथमिक स्तर पर अध्यापक प्रशिक्षण में दूरशिक्षा की भूमिका की आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। 20

8. ज्ञान अर्थव्यवस्था में शिक्षा की भूमिका का वर्णन कीजिए। 20

9. सार्क देशों में शिक्षा की स्थिति की चर्चा, उचित उदाहरण देते हुए कीजिए। 20

10. 'मुक्त एवं दूरशिक्षा' (ओडीएल) से आप क्या समझते हैं? ओडीएल के उभरते मॉडलों की संक्षेप में प्रस्तुति कीजिए। 20

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में वैकल्पिक पाठ्यक्रम
एमएसओई–002 : प्रवासी और अंतरराष्ट्रीय समुदाय
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कार्यक्रम कोड : एम.एस.ओ.
पाठ्यक्रम कोड : एमएसओई–002
सत्रीय कार्य कोड : एमएस ओई–002/सत्रीय कार्य/टीएमए/2020–21

कुलअंक : 100
अधिभार : 30%

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर (प्रत्येक) लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग में कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग - क

1 संक्षेप में यहूदी प्रवासी की प्रकृति का वर्णन करें। 20

2 स्वतंत्र भारत के बाद अमेरिका में भारतीय प्रवासियों के प्रवासन पैटर्न का वर्णन करें। 20

3 दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय प्रवासी की प्रकृति के विषय में विस्तार में बताएँ। 20

4 औपनिवेशिक काल के दौरान भारतीय उत्प्रवास के ऐतिहासिक संदर्भों का वर्णन करें। 20

भाग- ख

5 विदेशों में रह रहे भारतीयों के प्रवास के अनुभवों को उजागर करने में बॉलीवुड की भूमिका पर चर्चा करें। 20

6 विदेशों में रहने वाले भारतीयों के लिए विकसित भारतीय राज्यनीतियों का गंभीरता से मूल्यांकन करें। 20

7 भारतीय प्रवासी समुदायों के बीच पारम्परिक सामाजिक सांस्कृतिक अंतरराष्ट्रीय संबंधों की जाँच करें। 20

8 अंतरराष्ट्रीयता और राष्ट्रवाद के बीच के संबंध पर प्रकाश डालें। 20

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एमएसओई-003 : धर्म का समाजशास्त्र
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कार्यक्रम कोड : एमएसओ
पाठ्यक्रम कोड : एमएसओई-003
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओई-003/सत्रीय कार्य/टीएमए/2020-21

कुल अंक : 100

अधिभारिता : 30%

निम्नलिखित में से किन्ही पाँच प्रश्नों का उत्तर (प्रत्येक) लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर अवशय दीजिए।

भाग I

1. धर्म और अर्थव्यवस्था के संबंध की आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। 20

2. मिथक धारणाओं के समाजशास्त्रीय महत्वकावर्णन, उचित उदाहरणों की सहायता से कीजिए। 20

3. नुअर समाज को ध्यान में रखते हुए बलि की संकल्पना का वर्णन कीजिए। 20

4. धर्म के अध्ययन में एम एन श्रीनिवास के योगदान की जाँच कीजिए। 20

5 क्लिफ़्रोर्डगर्टज़ के नज़रिए से धर्म क्या हैं? चर्चा कीजिए। 20

भाग II

6. बर्जर द्वारा प्रतिपादित धर्म की संकल्पना, सामाजिक, प्रबंधन का निर्माण और वैश्विक : प्रबंधन गतिविधि' पर आधारित बर्जर के अध्ययन पर टिकी है – आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। 20

7. धर्मनिरपेक्षता की संकल्पना का वर्णन, यूरोपियाई अनुभव को ध्यान में रखते हुए कीजिए। 20

8. धर्मपरिवर्तन क्या है, इसकी समाजशास्त्रीय व्याख्या का वर्णन कीजिए। 20

9. बौद्ध धर्म के आविर्भाव के सामाजिक संदर्भ की जाँच कीजिए। 20

10. 'टोटमवाद एक हकीकत या वास्तविकता नहीं है। लेवी–स्ट्रॉस की साहित्यिक रचनाओं को ध्यान में रख कर चर्चा कीजिए। 20

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एमएसओई-004 : नगरीय समाजशास्त्र
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कार्यक्रम कोड : एमएसओ
पाठ्यक्रम कोड : एमएसओई-004
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओई-004/सत्रीय कार्य/टीएमए/2020–21

कुल अंक : 100

अधिभारिता : 30%

निम्नलिखित में से किन्ही पाँच प्रश्नों का उत्तर (प्रत्येक) लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर अवश्य दीजिए।

भाग क

1. नगरीय समाजशास्त्र की विषयवस्तु एवं विस्तार का वर्णन कीजिए। 20

2. नगर की संकल्पना क्या है और इसकी पहचान कैसे की जाती है? चर्चा कीजिए। 20

3. नगरीय क्षेत्रों के अध्ययन के प्रति पारिस्थितिकीय दृष्टिकोण का वर्णन, उचित उदाहरण देते हुए कीजिए। 20

4. नगरों के अध्ययन के संबंध में पूर्वनिर्मित दृष्टिकोण और नवनगरीय समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण में अंतर स्पष्ट कीजिए। 20

भाग ख

5. भारत में नगरों के वृद्धि पैटर्न का वर्णन कीजिए। 20

6. हाल ही में स्वास्थ्य के लिए उत्पन्न एक बड़ी महामारी कोविड–19 को ध्यान में रख कर, भारतीय अर्थव्यवस्था के संगठित एवं असंगठित क्षेत्रों पर इसके प्रभाव की चर्चा कीजिए। 20

7. बेरोज़गारी के संदर्भ में मजदूर वर्गों के बड़े पैमाने पर नगरों से गाँवों की ओर रुख की प्रकृति एवं प्रभाव की चर्चा कीजिए। 20

8. भारतीय नगरीय वृद्धि में नगरीय नियोजन की भूमिका का वर्णन कीजिए। 20

9. भारतीय नगरीय शासन में मीडिया की भूमिका की आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। 20

एमपीएस–003 : भारत : लोकतंत्र एवं विकास
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस-003
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टीएमए/2020-2021
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. व्याख्या कीजिए कि किस प्रकार प्रजातंत्र तथा विकास एक दूसरे से संबंधित हैं।

2. पुलिस, सेना तथा नौकरशाही के मध्य संबंधों की प्रकृति की चर्चा कीजिए।

3. आंतरिक प्रवास के क्या कारण हैं? व्याख्या कीजिए।

4. भारत में संघवाद की कार्यप्रणाली की चर्चा कीजिए।

5. संविधान के 73वें और 74वें संवैधानिक संशोधनों के मुख्य प्रावधानों की तुलना कीजिए।

भाग – II

6. निम्नलिखित (प्रत्येक) पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः
   क) सतत विकास
   ख) जातीय विषमताएं

7. निम्नलिखित (प्रत्येक) पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः
   क) मीडिया और प्रजातंत्र
   ख) नृजातीय राजनीति

8. निम्नलिखित (प्रत्येक) पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः
   क) आर्थिक सुधार तथा मजदूर वर्ग
   ख) क्षेत्रवाद का आधार

9. निम्नलिखित (प्रत्येक) पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः
   क) जेंडर तथा न्याय
   ख) ठोस प्रजातंत्र (Substantive Democracy)

10. निम्नलिखित (प्रत्येक) पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः
    क) भारत में भाषा तथा राजनीति
    ख) भारतीय प्रजातंत्र में नागरिक समाज की भूमिका

एम.पी.ए.–016 : विकेंद्रीकरण और स्थानीय शासन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–016
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.–016/टी.एम.ए./2020-21
पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग-I

1. समकालीन व्यवस्था में राजनीतिक और प्रशासनिक विकेंद्रीकरण की व्याख्या कीजिये।

2. विकेंद्रीकरण के सामाजिक-आर्थिक घटक को उजाकर कीजिये तथा उसे सुदृढ़ बनाने के आवश्यक उपाय सुझाइये।

3. शिक्षा के क्षेत्र में स्थानीय प्राधिकरणों और विशिष्टकार्य-अभिकरणों के बीच भागीदारी का परीक्षण कीजिये।

4. 'विकेंद्रित विकास के प्रभाव को राजनीतिक, प्रशासनिक, क्रियात्मक एवं वित्तीय पहलुओं पर देखा जा सकता है।' टिप्पणी कीजिये।

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये :
   (क) सामाजिक परिवर्तन के साधन के रूप में पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका
   (ख) संतुलन का सिद्धांत

भाग-II

6. 73वें संवैधानिक संशोधन की विशेषताओं तथा अधिनियम पर टिप्पणियों की चर्चा कीजिये।

7. विकास योजना के मूलाधार का वर्णन कीजिये तथा शहरी योजना के जटिल मुद्दों को उजागर कीजिये।

8. सतत् विकास में राज्य तथा स्थानीय निकायों की जिम्मेदारियों की व्याख्या कीजिये।

9. 'भारत में नगर निगम स्थानीय शासन के प्रभावी संस्थान के रूप में कार्य कर रहे हैं।' टिप्पणी कीजिये।

10. प्रभावकारी लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण और स्थानीय प्रशासन के लिये स्थानीय प्रशासन के क्षमता निर्माण के महत्त्व पर एक टिप्पणी लिखिये।